1.	2	3	4.
20.	Lakanpur Opencast project (expt)	June 1996	-do-
21.	Bhubaneshwari OCP M/s MCL	June 1996	Additional information awaited.
B.	Forestry Clearance		
1.	Rehabilitation of villagers of Satbhaya and Kahnupur.	June 1994	Under process
2.	Banghawa minor irrigation tank, state-II	June 1996	-do-
3.	Iron ore mining by M/s Jindal strips Ltd. (Sundergarh Distt.)	June 19%	-do-
4.	Kathpal Chromite mines of M/Facor (Dhenkanal Distt.)	June 1996	-do-
5.	Saruabil chromite Mines in favour of M/s Mishrilall Mines (P) Ltd. (Jaipur Distt.)	June 1996	-do-
6.	Malkanallah minor irrigation project.	June 1996	-do-

रेलगाड़ियों की संख्या की पर्याप्तता

*258. **श्री नरेश यादव:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि देश के पूर्वोत्तर भागों से प्रतिदिन बहुत से मजदूर रोजगार हेतु दिल्ली, पंजाब, हरियाणा आदि की रेलगाड़ियों द्वारा यात्रा करते हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या इन यात्रियों की संख्या के अनुपात में रेलगाड़ियों की संख्या इस समय पर्याप्त है; और

(ग) यदि नहीं, तो इस स्थिति में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) से (ग) जी हां। यह सत्य है कि देश के पूर्वोत्तर भागों से बड़ी संख्या में मजदूर रोजगार के लिए रेल गाड़ियों से दिल्ली/पंजाब/हरियाणा आदि की यात्रा करते हैं। नियमित यातायात को सम्भालने के लिए मौजूदा गाड़ी सेवाएं प्रायः पर्याप्त हैं। भीड़-भाड़ वाली अवधियों में, जैसे छुट्टी/शादी/त्यौहारों/फसल की बुआई/कटाई, आदि के समय रेलें विशेष गाड़ियों की व्यवस्था करती है।

1995-96 के दौरान, रेलों ने अमृतसर और बरौनी के बीच सप्ताह में दो बार चलने वाली एक पूर्णतया अनारक्षित गाड़ी चलाई है। सप्ताह में दो बार चलने वाली 5205/5206 दिल्ली-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस की बारंबारता 1996-97 के दौरान बढ़ाकर इसे हर रोज़ चलाने तथा सप्ताह में दो बार चलने वाली 5209/5210 अमृतसर-बरौनी जनसेवा एक्सप्रेस की बारंबारता बढ़ाकर इसे सप्ताह में तीन बार चलाने का प्रस्ताव है।

कृषि अनुसंधान हेतु बुनियादी ढांचा

*259. **श्री राम जेठमलानी:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में कृषि अनुसंधान हेतु एक विशाल बुनियादी ढांचा उपलब्ध है;

(ख) यदि हां, तो सम्पूर्ण अनुसंधान कार्य में कुल कितने वैज्ञानिक किन-किन संस्थाओं में कार्यरत हैं;

* अस्थायी

(ग) क्या यह भी सच है कि गत वर्षों में देश में अनुसंधान कार्य हेतु आवंटित औमतन राशि आवश्यकता से बहुत कम रही है;

(घ) यदि हां, तो अनुसंधान कार्यों के सुचारू संचालन के लिए कुल कितनी वार्षिक धनराशि की आवश्यकता का अनुमान लगाया गया है; और

(ङ) 1993-94, 1994-95 और 1995-96 के वर्षों में प्रति-वर्ष कितनी-कितनी राशि आवंटित की गई और इसमें से प्रति-वर्ष वास्तविक रूप ने कितनी-कितनी राशि खर्च की गई?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) जी हां।

(ख) कृषि मंत्रालय के कृषि अनुसधान तथा शिक्षा विभाग के तहत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 194 संस्थानों/केन्द्रों/योजनाओं में कुल 4809 वैज्ञानिक अनुसंधान कार्य में लगे हैं।

(ग) तथा (घ) योजना अग्योग द्वारा गठित आठवीं योजना के कार्य दल ने कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा के लिए 1780.00 करोड़ रुपये आवंटित करने की सिफारिश की जिसमें से कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा विभाग/भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को आठवीं योजना के लिए अनुमोदित परिव्यय के रूप में 1300.00 करोड़ रुपये आबंटित किये गये थे।

तथापि कृषि संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 32 वीं रिपोर्ट में सिफारिश की है कि कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा के लिए परिव्यय का लक्ष्य कृषि संबंधी सकल घरेलू उत्पाद (जी०डी०पी०) के 1% के स्तर तक पहुंचना चाहिए।

उपरोक्त मुद्दों को ध्यान में रखते हुए योजना आयोग द्वारा गठित कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा के लिए नौवीं योजना कार्य दल ने सिफारिश की है कि कृषि संबंधी सकल घरेलू उत्पाद (जी०डी०पी०) का नौवीं योजना में कम से कम एक प्रतिशत यानी 7800 रु० की राशि (वर्तमान मूल्य को देखते हुए) कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा के लिए आबंटित की जानी चाहिए। मंत्रालय ने यह निर्णय भी लिया है कि भारत में कृषि अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए निधियों की वास्तविक मांग की जांच के लिए एक सामाजिक लेखा परीक्षा पद्धति शुरू की जाये।

** इसमें योजना, गैर योजना तथा आन्तरिक संसाधन शामिल हैं।

वार्षिक मांग का अनुमान निम्न प्रकार है:—

(रु० करोड़ में)

वर्ष	राशि**
1993-94	470.79
1994-95	521.47
1995-96	605.07

(ङ) आबंटित राशि तथा वास्तव में खर्च की गई राशि का वर्ष वार ब्यौरा इस प्रकार है:—

वर्ष	आबंटित**	खर्च**
1993-94	442.70	441.99
1994-95	478.25	494.17
1995-96	515.30	528.98*

Passenger amenities in Railways

*260. SHRI JANARDAN YADAV:
SHRI KANAKSINH MOHANSINH MANGROLA:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that passenger amenitices in the railways have deteriorated during the past few months;

(b) whether any surprise checks have been conducted to find out the factors responsible for bottlenecks in passenger amenities in the railways;

(c) if so, the details (hereof and if not, the reasons thet. for; and

(d) the concrete measures Government propose to take to streamline passenger amenities in the railways?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI RAM VILAS PASWAN): (a) There has been no deterioirition.

(b) and (c) Checks are conducted from time to time by the senior officus of various departments and remedial action